आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 05.06.2026 समय : 1905

<><><><><><><>

- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्य सचिव डॉ चन्द्र भूषण कुमार ने खुला समुद्री पिंजरा मत्स्यपालन एवं 3 डी प्रिंटेड कृत्रिम रीफ परियोजना का शुभारंभ किया।
- पिनाकीनगर और कमलापुर गाँव में किसानों को खेत बचाओं अभियान के अंतर्गत संतुलित उर्वरक उपयोग और जैविक खेती के प्रति जागरुक किया गया।
- गाराचरमा फीडर में मरम्मत कार्य के चलते कल विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।
- एम वी स्वराज द्वीप जहाज की टिकट कल सुबह नौ बजे से मिलेंगी।

<><><><><><><>

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान और मत्स्य विभाग द्वारा खुला समुद्री पिंजरा मत्स्यपालन एवं 3 डी प्रिंटेड कृत्रिम रीफ परियोजना का मुख्य सचिव डॉ. चन्द्र भूषण कुमार ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि यह परियोजना द्वीप समूह के लिए वरदान सिद्ध होगी। इस अवसर पर खुले समुद्र में पिंजरा मत्स्य पालन एवं 3D प्रिंटेड आर्टिफिशियल रीफ परियोजना से संबंधित कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया गया। यह पहल ब्लू इकोनॉमी को सशक्त बनाने तथा द्वीप समूह में सतत मत्स्य पालन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इसी अवसर पर IIT गुवाहाटी एवं NIOT द्वारा संयुक्त रूप से विकसित 3D प्रिंटेड आर्टिफिशियल रीफ संरचनाओं का क्षेत्रीय परीक्षण एवं स्थापना की गई। इन संरचनाओं का उद्देश्य समुद्री जैव विविधता को बढ़ावा देना, मछलियों के प्राकृतिक आवास को पुनर्स्थापित करना तथा तटीय पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं हितधारकों ने भाग लिया। सभी ने इस पहल को द्वीप क्षेत्रों के सतत विकास और समुद्री संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इस अवसर पर राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रभारी डॉ. दिलीप कुमार झा ने कहा –

<><><><><><><>

केंद्र शासित प्रदेश अंडमान निकोबार द्वीप समूह में चल रहे खेत बचाओ अभियान 2026 के तहत किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आईसीएआर–कृषि विज्ञान केंद्र, निम्बूडेरा द्वारा केन्द्रशासित प्रदेश कृषि तकनीकी प्रबंधन एजेंसी तथा कृषि विभाग, प्रशासन के सहयोग से उत्तर एवं मध्य अंडमान जिले के पिनाकीनगर और कमलापुर गांवों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, जैविक एवं प्राकृतिक खेती की विधियों तथा कृषि से

जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम में कुल 20 किसानों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

गराचरमा फीडर में क्षतिग्रस्त आर सी सी एच टी पोल के प्रतिस्थापन तथा नए ट्रांसफार्मर की स्थापना के लिए एचटी/एलटी लाइन शिफ्टिंग कार्य किए जाने के जाने के चलते कल साड़े सात बजे से दोपहर 1 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान लक्ष्मी मोटर, शिवाजी कॉलोनी, टी आर हाउसिंग, एम आर हाउसिंग, गराचरमा बस्ती, सुसान रोज, गराचरमा मेडिकल, काली मंदिर, टीटीआई रोड, पंप हाउस, मुर्दा खाड़ी, आई एम एफ सी तथा गराचरमा फीडर के अंतर्गत आने वाले सभी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित होगी। यह कार्य मौसम की स्थिति पर निर्भर करेगा।

<><><><><><><>

केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आज वृक्षारोपण अभियान का आयोजन जलवायु कार्रवाई विषय के साथ विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का वैश्विक उत्सव मनाया गया। इसके अलावा लक्षद्वीप स्थित मिनिकॉय क्षेत्रीय स्टेशन, निकोबार, मध्योत्तर अंडमान और दक्षिण अंडमान जिलों के कृषि विज्ञान केंद्रों में भी इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ''खेत बचाओ अभियान'' के उद्देश्यों के अनुरूप था, जिसमें पर्यावरण सुरक्षा, टिकाऊ कृषि और भावी पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया गया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान, मथुरा के पूर्व कुलपति प्रो. ए.सी. वार्षनेय ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने अपने संबोधन में जलवायु परिवर्तन से लड़ने और पारिस्थितिक स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक रणनीतियों के रूप में वृक्षारोपण और जैव विविधता के संरक्षण के महत्व पर बल दिया। वृक्षारोपण अभियान में नींबू और अन्य वृक्ष प्रजातियों के कुल 50 पौधे लगाए गए। इस वृक्षारोपण अभियान में संस्थान के सभी संभाग प्रमुखों, वैज्ञानिकों, प्रशासनिक अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों और 120 किसानों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दक्षिण अंडमान में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह आयोजन आज कन्यापुरम, जेएनआरएम परिसर तथा चिन्मय मिशन परिसर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता और हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन MY Bharat, श्री विजय पुरम द्वारा विम्बर्लीगंज के एक निजी संस्था के सहयोग से कन्यापुरम में किया गया। कार्यक्रम में युवा स्वयंसेवकों, पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों, विद्यार्थियों, वन विभाग के अधिकारियों तथा नागरिक समाज के सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर सहायक वन संरक्षक, सरत कुमार, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 1000 देशी एवं पर्यावरण हितैषी पौधे लगाए गए। इसी क्रम में जेएनआरएम परिसर और चिन्मय मिशन परिसर में भी वृक्षारोपण

कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर का केंद्रीय संदेश रहा—"हमारी पृथ्वी, हमारा भविष्य, हमारी जिम्मेदारी।"

<><><><><><><>

एमवी स्वराज द्वीप जहाज के 7 जून को चेन्नई के लिए निर्धारित प्रस्थान के लिए आरक्षित कोटे के अप्रयुक्त टिकटों को कल सुबह 9 बजे से आम जनता के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। यात्री डीएसएस के ई–टिकटिंग पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन टिकट बुक कर सकते हैं। इसके अलावा, स्टार्स टिकटिंग काउंटरों से भी टिकट खरीदे जा सकते हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए ई–टिकटिंग पोर्टल से जुड़ा एक क्यूआर कोड भी उपलब्ध कराया गया है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रशासन ने शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए द्वीपसमूह के छात्रों के लिए कलिकट महाविद्यालय से संबद्ध कला एवं विज्ञान महाविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में आरक्षित सीटों के संबंध में सूचना जारी की है। विश्वविद्यालय द्वारा द्वीपसमूह के मूल निवासियों के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक एक सीट आरक्षित रखी जाती है। इच्छुक अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय की केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। पंजीकरण के बाद पात्र अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र, आवश्यक दस्तावेज तथा CAP पंजीकरण का प्रमाण पत्र श्री विजयपुरम स्थित सचिवालय के विकास अनुभाग–4 में 16 जून तक जमा करना होगा।

<><><><><><><>

जवाहर लाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय में सत्र 2026–27 में विभिन्न स्नातक पाठ्यकमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है। इच्छुक उम्मीदवार प्रवेश के लिए collegeadmission. andamannicobar.gov.in पर लॉग इन कर आवेदन कर सकते हैं। यह पोर्टल 20 जून तक खुला रहेगा। पात्रता मानदंडों के संबंध में विवरणिका और अन्य जानकारी भी CCAP पोर्टल के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

<><><><><><><>